



ଆଶା ଆବଳୀ

423

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो नत्तु न्याय ॥ ॥ ॐ नमो श्री वज्रसत्त्वा ॥ ॥ वसुधा ना सदा नत्ता
दा विडा डु खन ना न निः दे स या मि म न्त्वा नी स व डु ख प मो व नि ॥ ॥ ॐ नमो श्री
वज्र धन सा ग व य न म ॥ ॥ ॐ नमो श्री सा च्च म् य न म ॥ ॥ क्का पी श्री ३
वसुधा ना दे वि या न को ति २ न म स्का व ॥ क्का पी वसुधा ना धा या न ग थि हा धा व सा
स सा न धा नि या न स व डु ४ ख रू ट का ज वि ड्का क लः थ थि हा वसुधा ना दे वि या न न म स्का व

ॐ नमो श्री वसुधा ना धा यामि ॥ २ ॥ दय धर्क श्री वसुधा ना दे वी या वृ न ध र्म
या यः का व नः ग व व ल स धा ल साः का व नः थ व ग लं श्री दा वि ग न य नि स क लं मू ना
ज म धा स धु ले स ड् शि ड् वि ड् य नि स यो ॐ श्री वसुधा ना दे वि थ म थ थ म न उ
द य रु या ज वि का र्क ॥ ॥ दा वि म धा म धु ल स ल द्रा पि ड् रु व मि क स र्च ड
वा ज न र्थ पू न व पि मा ग्पा य न ॥ ३ ॥ ह न दे वि ग न य नि स र्ने श्री र व स
धा ना दे वि या क पि ना य या र्कः ह न उ व नी म धा मं द लं स ल य नि रु ग्गा हा द य क ल

विकायमालात्रकं उथीरवावंवायदवीगद्यनिसनः श्रीवसुधावादवियाक थि
नाययानं ॥ ॥ प्रसन्नविलुप्तमधमधुलः यनरवेनयायानां सत्वानां गनर
वृषनधर्मदभयनिगद्यमिश्रवसुधावाविक्रयनि ॥ ४ ॥ **थधदविय**
निसननाययानगुठनरा श्रीवसुधावादविनं मनसविक्रयानातामधम
हुलसः सत्वप्राप्तियनियानः स्वगुलिनूपययाताधर्मदभनयागउमधवर्ध वि
ननायानागीवसुधावाविक्रयनि ॥ ॥ **निक्रयसुधावाविक्रयनि**

सुधावामकनूपं श्रीमहालक्ष्मिकनूपं श्रीकामावीमकनूपं न्निविश्वश्रुसु
धावनदिमुखमाङ्कानिगाया ॥ ॥ **थधनश्रीवसुधावादविनं** विगनयाना
ताककाननस्वगुविनूपयुलः शुद्धकलसा श्रीवसुधावाद्यगुनिनूप श्रीम
हालक्ष्मिकगुलिनूपयुल कोमाविनूपयुगुलिनूपययाताश्रुसुधावनदिमुख
निक्रयसनगलीया ॥ **निक्रयकनीश्रुतामागतादविक्रयमास्यययासि** न्नि
काः हलांकुलिसिनसाधयस्थित्वा ॥ ५ ॥ **थधश्रीवसुधावादविनं** सन

कउगुठनाउअस्वधाघनदिमूखनिष्कसनंलाहाहागवपाअधीवसूधावादवि
नमस्तावयानाअःहृदविहृस्ववहृलपालसनंरुग्गहादयकसाविकायन
नाधकविनकिपाकं॥ ॥दविउवाव॥ श्रीवसूधावादविनगाहादयकल
त्रिस्वधाघनदिमूखपूर्वमगममूलंगलाउगीदियवाजायहनिगुसकासाम
गममूलगच्छ॥ ॥हृनदिमूखस्वधाघनदिनिनिष्कमममूलसजा
नाअसूजदियवाजायवविहृस्ववहृनिधकंश्रीवसूधावादविनगाहादय

ली॥ ८ ॥नदिमूखउवावःकिमर्थेनिसक्रागि॥ ॥नदिमूखनंभालंहृद
विहृस्ववहृलपालपायसादनंकायमरुयिःक्रियनिनिष्कनधकश्रीवसू
धावादविपाकन्नापयार्क॥ ९ ॥श्रीदयूवावहृदिसक्रागिमश्रीवसूधावा
दविनगाहादयकलगथरुपनिमनंदगउगुकथनकासिद्धयानाअगयमात्र
धकंश्रीवसूधावादविनगाहादयकलं॥ १० ॥नदिमूखस्वधाघनदिविश्व
स्वित्तानिधायःमममूलंगलावःगगामममूलंगलित्वास्ववहृनान्मनम

धुले ॥ ११ ॥ धननिधीवसुधारादविषाग्नाहासिचनंधनवपाडानदिमूरवश्र
स्वधावनिष्कमनसहुलसउनाउधदभयावनीप्रस्वर्त ॥ ॥ जानावि
विषयकवनधुलाग्रहर्तकानो ॥ ॥ अस्वधावनदिमूरवनिष्कसुनंध
दभसउनाउस्वसुनिष्कविचिग्रवनाउमहाग्रहवापाडावन ॥ १२ ॥ ४
ग्रहावसनियमनसहुलकथेचविरुहामर्त्य ॥ ॥ अस्वार्थरगविनम
स्वमहुलगार्थिन वानलाकस्वसुनंधयमगाकगार्थिनदभमिक्तिसनगाथि

नवनिधनयक्तिउधकनसस्वायाप्रधानं ॥ १३ ॥ वदिकास्वनस्थित्वाविचि
प्रयधनयामिगिर्तकनाकि ॥ १४ ॥ धननिधयनिनिष्कसनंधिक्कनायाक
धनसामिक्तिनिष्कवदिकाधनसउनाउनामिसायाव्यशयाजः किलयास्वयानाउ
महानाउवदिकाधनसदानाननूयाधक निष्कडाने ॥ ॥ गदाऊ
नयदनिवासिऊनास्वक्वाजागादिव्याधावकागासनिमवनावाक ॥ ॥
स्ववलसधयनिनिष्कवदिकासमहानाउस्वयधकनिष्कसुनंधमहानाउश

नं धनलिथनसिथदभपात्राकपानिसनंभृहावाहजगुस्ववगायापुजापनिस
सालः हायरगार्थिनवानाकस्वनदनगुययायुवचनंमहालाजवानधकंनस
गायाडाचानं॥ १५ ॥ पूर्वोस्वितनिद्रयनकथिनाकादभयिदिभनंनवधि
वायानसर्वजनानदखादियाजिजोरनवक्रनावन॥ **अथनलिथ**
दभजनयानिसनंमुरुगशाचार्यवायाजनिद्रयवनाजस्वलः दशलाकन
वनजधालः हायरगार्थिनजोरनवक्रलीमिसाधकथिथिषज्ञानाजानवा

४६ ॥ नदभनिमाणनवकुनसकनदवकन्यानागकन्यामानवकन्यान्
मिश्रवायुगमा॥ **अथकन्यापनिधनाजदालाकपानिसकलंखलायमरु**
सजाचार्यवायाजानमंविस्मृकंवाजाधालः थपनिदवकंन्यानाहनमयूना
गकन्यानागथथपनिशूनर्थनंवानलाकमथमशुलसगवदलमंमयनाधकंथि
थिखज्ञानाजानं॥ १७ ॥ साजेकथामनैमिथिमुरुहमाशनः पूर्वकथाव
दक्रिष्टपथिमउरुनप्रतिदिनंमिक्तंकराकि॥ **अथदविगतापनिगथ**

इलधालसाद्यगुलिथानसमवानकत्कावनं पूर्वदिक्प्रथममउत्तरवउदिगसं
क्रियं २ उलागमहालाअकृतं ॥ १८ ॥ यथा योनिकुनासर्वकुनादृष्टकानपूनखनि
करमागत्वावाहानिवदिर्ग ॥ **यावनथथशुभगुपनाशदगयालाकपनिस्**
कलीश्वार्यवायाडा हगारसनंअनाडानाजायाकः नापयार्ग ॥ १९ ॥ दवीकिमर्थ
वदिकाथानदविन्नीओरुनयकिदिनं गिर्ग कनाकिभुरुनिर्मिकं वाअसूरुनिर्मिकं

७

वानामित्वेकिहासीगार्थविहापिर्ग ॥ **॥ हसलनाकादयानिर्मिकं वदिकाथा**
नसमहानाडावानश्रीओरुनीमिसानिक्कः क्रियं २ महानाहाअवानआयिडाहिन
लाधकं वः नापयार्ग ॥ २० ॥ नाजायायकिअहाययेगुरुनास्ति नाजाचिन्ताप
वाववस्तिगा ॥ **॥ यपुजायनिसर्गधाडागुपनाडावाकानंआहदयकलं**
हपुजालाकयनिः मिसाऊनअनधास्यविज्ञासरिधकं वायाडा मनसश्रीदवविजया
नाडासमकं वानं ॥ २१ ॥ गजकानशनश्रीनादहगगणनवाकामागगा ॥

ध

यत्थन धूगुमगनसग्निनदहनयेहन श्वत्थमिदनानंथवाकावाकधननेपिहमडा
मवानेग २२ गगदनेकवग्निसाधावविकयकाकिमर्थनागामागता ॥ २२ ॥
थनलिथनगनसग्निनदहनयाडाहयानेथवाकाः वाकधननेपिहमडायाडा असाधा
वनदिमूषनिक्कस्यनविक्कनायार्ककूयाअर्थनेवाकावाकधननेपिहमडायाडा असा
धावनदिमूषनिक्कस्यनविक्कनायार्क ॥ गगादवित्राहावीनानकिंययाक
नेअपिगुमाहावलाहनूपमाख्यायउद्यानयूक्तनधीविधिसनायगक ॥ ग

थनलिअसाधावनदिमूषथिथिषावसायाडाधा हनदिमूषअडागीउवसूधावाद
पीयाअहाविनेहनवानायाकामइ वावाहयानूपकयाडावाकायाउद्यानविधनेनहन
कनडाननूपाधकीनिक्कवावाहयानूपकयाडाउजानसडाने ॥ २४ ॥ गगादसदि
सवलाकः नदिमूषमाहकिंसकिगनविधिसयामिआह ॥ कथाकार्कसप्रादिमगथा
कवीषामिविधीसर्क ॥ थनलिथयनिनिक्कथउजानसडानननीदेमरव
असाधावयाकधालं गथमिजिसनयायकूकनयायधकशसवायाउवसुदिगस

पाडाविशद नरुना उडमान पूषू निसन कलं॥

॥ गकाउमान रुनायार्क

महाबला रुच्छा नाजा निवादिगदवमाहवला रुन पूषू न निविधं सिग ॥ २५ ॥

थनलिउमान पूषूलि विगायाना यान शक वयाः नायक वना उहाना नाजा गृहस

अना उना जाया कविन मियार्कः कउधन वना रुनि झसनी कलपाल पाउ यान पूषू विधि

सनं सन कलध कविन मियार्क ॥

॥ नाजाः रुत्वा उधार्स उभन किं रुविष्य कि

रुद्र रुवन रुविष्य किं रुकिउ थाद्य दृष्टा धार्षना का वरी किस्म ॥ २६ ॥ थन

थन उमान याव रुना उना कूयाय पूषू यध कं मन सरा सपा अर्ध थथा ना उपाय जायि

याय कलं ॥

॥ गका रुत्वा पो न रुना नाजा संलग ना किं माह्वा पय कि ॥ २७ ॥

थथद्य दृथाना याय कख ना उपाय जाला कप निस कलं ना जा या सरा स उना उना ना जा या क

पि ना पयार्कः रुमहा ना जा ध कं ॥

॥ झुहा झुगार्थ झुष किं न जाना मिउ यान रु मि

व न सं गका किं क विष्या मि ॥ २८ ॥

॥ थन लिना जानं ग्राह्य दय कलं रुय जाला क

प निरु मि सनी म सिया ना ग उधन वना रुनि झ उपाय मि कि स उयान पूषूलि विधि स

न संमक वशायपनिमिस्मिन्नकुरुनयानाडा लायध के आह्लादय कर्त्त ॥ २८ ॥
 अथ अमात निवदिन आह्लादहि ॥ २९ ॥ अथ वा जानं आह्लादय कुरु लिख
 ना अथ काय निस्सनं वा काया कंठं ना या गंधं महाना कुरु लया लस्य नं गथयाय ध कं आ
 ह्लादय कल अथ किमिस्सनं याय ध कंठं नाय या र्त्त ॥ ३० ॥ अथा उवाच सर्व ह म
 उवाच नरु मिगम नाय व ना ह क द नाय क थ ग म न र थ क व स र्व क ना क दा ह ॥ ३१ ॥
वा जानं आह्लादय कल आग सिक्कि स क ल्यं अथ उवाच स उना ड म हा व ना ह क र्त्त मा

ल ग थ या ना नं कि व अ थ पा ड ध कं वा जानं आह्लादय कुरु व द ना ड म र्त्त ला क नं
 धालं ॥ ३२ ॥ यथा मु म ह ना जान सर्व जन सी कि क्त्वा ग र्त्त कि क्त्वा थिय व ना
 ॥ ग थ द ल पा ल स नं आह्लादय कल थ थ किमिस्सनं याय ध कं क या व क्त्वा
 अवा न ॥ ३३ ॥ पूर्व दि स ना जा द कि धा दि र्त्त अ मा य य थि म दि स स ना य कि उ र्त्त
 दि म्मा स र्व षो व क ना रि ण ॥ ३४ ॥ अथ नि ग थ वा न धा ल साः पूर्व दि सा स ना
 जा द कि व दि म्मा स म किः य थि म दि म्मा स र्त्त ना य कि उ र्त्त दि म्मा स उ ग ला क य

कथं धवा अधक ना ज्ञानं आह्लादय कल ॥

॥ स्थि. लाय नया मास सजिह

वा ॥ ३३ ॥ सकल सनना नला नका अथा अधक आह्लादय कल ॥

॥ वा कां

पुनवा द आह्लादय कल गवक्रया दि सानं थवा नानि क्रया न धाल रुति नापं म दू

हिरुति नापं म आय क वि सि क न द्या म सा थ क्रया न सा क्रियायः जिडा कायः सर्व

स्य काय धक धालं ॥ ३४ ॥ नना म न हा व ला रु सर्व जना दृशा संज्ञा सिम महा का

ला रु भ दृश ला उ था यः दम दि स व व ला क महा डा द क ना मि ॥ ३५ ॥ ॥ धवा र्का

वा ला रु प नि नि क्र स नं द ना डा ला क मू दि क व ना डा मू नि क ला ल भ दृ ना या डा द

ना डा द स दि ग सं स्त या डा वि भ दृ नं हा ल थ थ हा ल उ नू क ज रु स ड ल ॥

नना मू र्ध काल भ व रु ति क उ दि स ना क पि रु ति रु उ दि स य ना प नि ॥ ३६ ॥ ॥ थ

प नि नि क्र हा ना डा वा न व ल स वा यू न डा ध न रु स डा या डा मू र्ध का न रु स डा या डा दू

ष द म द य क रु स ड लः श्व व ल ना जा वा ना गु लि दि सानं वा ना रु प नि नि क्र व ग न

वि स ड न ॥ ॥ ना जामूर्ति कः प धा ल रु स ड उ म न जा व न व ला रु न रु

नमः नावत्तयस्वमिवाकाशस्वमानुषसर्वकृत्नाथदिगुगक ॥ ३७ ॥ वाका
 नागुलिदिस्मान्श्ववानाहनिक्कविस्सडानाशमाकाशस्वकीकयाडावानं नानअयस
 रुयाअषविस्समकंथानाअःवाकांविक्कनापागंःआडाकृयायधकंयव्यलसश्ववाना
 हःलानाःआनाहयस्स श्ववलकिनिक्कित्थअवाक्कलिहाअयधकंयमिहायाना
 अस्सवगयाअवावाहलिनाअने ॥ ॥ किंविइवंगमकदावाकायस्यमिक्कदाम
 हाइवंगमसर्वपांनकृत्नामनहंगकृत्वायमिनिर्गता ॥ ३८ ॥ श्वमहाववाहय

११

निक्कयिन्नथनकअनेपजायनिस्सनेवाकाकायिन्नथनकअनयनाअसकजया
 मनहंगकृयाअलिहाअने ॥ ॥ नदिमूवन्नस्वधापःअस्सअविचयव
 अ॥ ३९ ॥ अस्समाहर्किस्सननामवकवाकागक ॥ ३९ ॥ थथपजायनिलिहाअसं
 लिःनदिमूवंअस्वधारवयाहुअनधालःहअस्वधापमिनिक्कःववाहनूयकालगा
 अःसन्नयाकइविनावाकासन्नधंरुयकलयनंकायिन्नथीकमन्नूययागंममइथासः
 थानकयने ॥ ॥ सानवाकावकगमःगगावाकाअस्वकवृक्कंनवइस्सवथय

किंकिटसननसमास्यकि॥ ५० ॥ थनलिवाकांखगनास्यः स्यनष्टकककद
वनाअसनश्चनंक हाअयाआश्रुस्वकविक्रसिमाकासमाआदिनायानूयावान् ॥ ५१ ॥
 गरावकास्यनयानियाशुमिह्यमिस्यनःयानियवसवियेककथंपनिययक॥ ५२ ॥
थवलसवाअनस्यनया हुअनधालः हसनकिरुविकनयासवालिजिगहनं कि
 गलखकायाअमानकिश्रुनिकनं ॐ श्राकलधकवाकानाहादयकलः स्यनध
 लं हमहनाकागथयायः थनलखखगनायंमद्रः किनंयासवालंगनसालअन

१२

धकधालं॥ ॥ सनवाचमहानाकसंशयवृकंनवथियताःयानियेयनगाय
 मानंगद्यसिकत्यगगागककिंविइवअवनदिसद्यत्वावत्वनिकरगक॥ ५३ ॥
थनसनंवाकाया हुअनधालः हमहनाकाद्यलपालध्वश्रुस्वकविक्रयाकसविया
 हुनकिनंयलपालयाकवैयकायाअयधकधालंअनसवनदीयासद्यगायाअदू
 नसथनकाअखनअनी॥ ॥ कडसिकमापनसंयुष्टकःकककिवसमापमह
 ह्वनअयसवाखिप्रकसंधाननायनिष्ठकि॥ ५४ ॥ थथइवसइहाअनाअखग

नास्वस्वनदिषनामनसहर्षमानयानाडाधनदियाकिवसकअधनवधद्युलि
 दयाउवाचः थूगुलिनधसत्रयस ॥ वायनिसनभीउवसद्धावादवियायुमधर्मदनाअ
 वानधनं ॥ ॥ साश्रयसवास्वदृह्याहशाकानिर्मानवकमनूव्यामकनाम
 दृगा ॥ ४४ ॥ थथयानधनाअश्रयसवायनिसनमनूधखनाडाधलः हमानवस
 नूयाः धनमनूव्यायाश्रगमथामष्टगहनआयाधकगुगुविनगवनंआयाधकश्रयस
 यनिसनंठनं ॥ ॥ सनावाच ॥ वाश्रस्वनाहनमिद्रवस्वननागादु कुरुर्वकः

म ३२

१३

नाप्रणागतश्चर्यप्रहावाकारमनमागतहं ॥ ४५ ॥ ॥ हृदविस्ववीगिस्व
 र्यप्रहादयवाकापादआयाकिधर्कः नापयानि ॥ ॥ साउवाचकथं मागक
 पुनचददविगनयनिसनंश्राहादयकलः हमानवद्धः धनसूनानेधयाहवगथः
 आयाधकठनं ॥ ४६ ॥ ॥ सनावाचः सवाकास्वनापवहेमिद्रवस्वनवागदृष्ट्यसव
 कनाप्रणागतावाकाममप्रनियकास्वकवक्रकलकिष्टुकिवाकारवाउवाथयानि
 र्यमचययामिहसस्वनदिसदृथवाहृहागना ॥ ४७ ॥ ॥ हनीशनंधालथप्र

सूर्यादयवाग्रश्रुत्वकचक्रमिमाकासगयागमथाः ध्ववाकायाश्रुतिषासुवायाअ
 लषमालगनाधकडायाधकञ्जनाययाकं ॥ ४७ ॥ धुवननदिसदमाकधन्निहाग
 गरुडममरागनदवीदुनिष्ठाफ ॥ ४८ ॥ **धुगुलिसुवननदिसददनाअः धनर**
 क्रिरागनंछलपालयनिसदनिडि, कनाकधक ॥ ४९ ॥ **दविप्रसादासुन**
 नदिलंघयित्वाः स्वविनंरगत्वादविगनयादवदनांकनाकि ॥ ५० ॥ **धनं**
 लिख्यदविगनयनिदग्निः वानाअमहाः ह्यमानसुयाअसुननदिनंघनायाना

१४

अः हगारसननासगहागलयाअदविगनयनिसयाइकासनमस्कात्रयाक ॥ ५१ ॥
 दविकिंश्रुगमानाधयिष्यामि ॥ ५० ॥ **हदविहस्वलिछलपालयनिसनंछ**
 वगधर्मदनाअविष्कानाधकञ्जनाययाकं ॥ ५१ ॥ **अपसनावाचमानवनमानासि**
 कसर्वइश्वरदानिडभाव नार्थशीवसुधावावुरुमालाधयामि ॥ ५२ ॥ **हमानवहम**
 नृवादनदमसियालासमसुदानिडइश्वभावकगुश्रुर्थनंश्चशीवसुधावादवि
 याधर्मविरुक्तिमिस्पर्शनश्रानाधनायानाअवानाधकशाहादयकली ॥ ५३ ॥ **सण**

भवदविममास्तिनाषिकप्रसिद्धदिविब्रजमात्राधयामि॥ ॥थनसनंदवि
 गुनयनिस्क००नापयार्ग॥ ॥दविगनप्रसिद्धदिविब्रजमात्राधयामि॥ ॥
 हविगनसगुनयार्ग॥ ॥रूपनमस्तुतीःशासाजिनंथुगुलिब्रजधमीकृतिनंदनअनिम
 नस००क्राश्लधकं००नापयार्ग॥ ॥साह००क्रामिगवमनावर्थपूनयामि॥ ॥
 यगोरुडवकृष्टरुगीयासर्वपाकमयंपूष्यधयदीपनेवयादिसमीवकृष्टवकृष्ट॥ ॥
 दविगनयनिसनंआह्लादयकलंकुनमनसअनिन००क्राश्लसाथुलिजिमिसनं

दयकाशावियःरुमनहुडाश्वरुग्ववलसुधालसागडवकृष्टयागुगीयापूनसमस्त
 यीकमयनंपूष्यधयदीपनेवययादिगायलाकक॥ ॥पूनसर्वगक्षसनसहि
 कसर्वकृनाऊथवकृधनसागनेनवाकवाकितथाकवाकि॥ ॥पूनवदथयसस
 रुगाललाककाडादविगनयनिसनंआह्लादयकलंकुगुलिथीवसुधवादादवि
 यागुधर्मवकृदनेकवकृधनकथागकयनिसनंआह्लादयकाकवधथथकिमिसनथ
 धर्मदनाधक॥ ॥पूननयिदक्षिणमानवकवेवकनिष्ठासिपिहमधामधुल

बाजापुरिभित्तियथादसिक्तकथाकविम्यासि ॥ एनवीददविगधयनि स
 नंन्राहादयकलंरुमानवमनव्यथथयाजधकैः एनमममधुलसजानावाजाप्र
 रुनिनः एनयाकः किमिसनंकनाथथगुलिवरुधर्मदनयागः कनाउयागकिधक
 न्राहादयकलं ॥ ॥ माहालाक्ष्मिभवनाथधनक्षनभुवर्ध्मूयवहुनागमिष्य
 श्रयवमिगयामिपुरुषगसंपूर्ध्मिनिपालनार्थदिधिग्वमयापिष्टकादिनादापि
 नं ॥ ॥ धधर्मवदनयानिमिरुनिभालसामहालक्ष्मिनायनिमिरुनस

१३

वर्ध्मूयादिवत्तसमसुदपिउथथकिमिसनकनाउरुलधकैः कउः धनलि
 वरुधर्मसकगोधसालिः पालनयायनइद्रगद्ययामधिः धैः उंयादिसकगीवि
 लं ॥ ॥ गदासननरुक्रनसमयगठकिवागोरुननिनप्रासभविषयसर्वहा
 हियादिः दविगनसंलगधवाजासमियनसर्ववाक्यकृमलस्थिष्टकृसरुधिरं ॥
 धवलसदविगधयनिशनंयावनयायगुवसुकवियगुनूंवाजावमगाउः पालनया
 यनविउगुवसुककानाडादवीगनयनिः सकल्यनमस्कावयानाउलिहाजयाउना

जायासमिपसमृत्तकचक्रसिमाकासवानथ^सथनक^सशिथि विवावयाम ॥ ॥
 नाकावायकिं[॥]गांवकविलंवि[॥] ॥ वाजानंधालहमानक[॥]याजिनि[॥]लिनी[॥]
 विलंरु[॥]गधक[॥]ठनं[॥] ॥ सनावायभ्रमसामहानाजायानियम[॥] न्तयवमीना
 म्रुहकदवीगद्यदृष्टाविवाविहदविगनकिंकावनविवालि[॥] ॥ सनंधाल
 हमहानाकाक्रमस्वदुलया[॥] लयाकलंयकाननावलसम्रुहंमंदविगनपनिख
 नायाविवावयानाहदविगनपनि[॥]क्यानि[॥]सिनंधानविश्रमयानाविकानाधकदः

मानवरुणगगा ३

नाथनम्रयसवागधयनिसनंधालीहमानवदृगननंआयाधकंठनं[॥] ॥ ५० ॥
 ममउदकार्थमागगाहं ॥ ॥ किनीधायालरवकाननायाधकधया ॥ ॥ नद
 नकनंधीवस्रधावावगसर्वम्रयसवागधनानावुकधनामयाकंदविगद्यममाहिना
 धिकममारि[॥]म्रुवयामि[॥] ॥ धनहिसकलंम्रयसवागयनिनानाकनरुनंधी[॥]वस्र
 धावादवियावुकधमदनाजानवचनाजकिनीम्रुवकधमकिनीददधकधयाआवुकदनाआ
 वाना ॥ ॥ ननहउनाविलंहेवेयकिमहावाजाक्रमस्वममपावनार्थरुविगुकादधिम

हिममयपानिर्युंरुसियगउयध्विर्म॥

॥ थुगुलियानिमिलिनं क्रिरुदिवि

विलंरुलहमहाबाजाक्रमस्वदलयालहनासनायिअधकं क्रिमपावनपायः यागविशगुः

मधिरुधनः साषट्तिममगविलः ध्वसक ~~गो~~ क्रिनीलिन कहवाधकंः ध्वगषडनाअ

सनंरुयागुसकगाबाजायागदाहलया॥

॥ बाजाआहः श्रुहाआवायः श्रीश्वसुधः

शिवगध्रवाचजामिः गवासनः यानवसुस्ववृयंद छ्वाससयिक॥

॥ ध्वगवसु

कविसालिनाजीआहादयकलः हसनः गवाधनआध्वर्य श्रीवसुधवाद्यवियाधमवुह

१८

सननिष्कसन ३

धयागुः क्रिनंगवलसंहनमननासियागुसइधकंसनंविडागुवसुकषनाअना ~~अना~~ ^{जा} ~~अना~~ ^{अना}

दशल॥ ॥ गदनंगेलश्रूनरुकमहासंतुष्टजानः हसलुष्टाकनकथयकिममरुव

धदभनाअगविसं॥

॥ ध्वनलिध्ववसुकुवाजनंरुकलयाडाहदयउसुसया

वाजाआनीदशयागः हसनममगुलिउवनसः क्रिउमश्रुकिं० काकलधकधाल॥ : गद

गद्यवतः रुवनदभनायधर्मध्ववा यममाहिलाषकाकगद्यव॥

॥ हसन

अमथानसाकिवा नायायडाः थुगुलिरुवनसजानाडादविगनयनिमदधनिवायधर्मस

भट्टिजिनंठनकिमनसंश्चरुलोककावनेउगुलिथानसवानाउयनसाधकधाले॥
 सनावाच॥ उवममुमहावाजासहावागवाजासनागकदविकागमदभासुवाफ॥
 सनंधालेहमहावाजाजिअधकवाजासेननिअंअनःश्चदविगनयनिसधेमदनथास
 थनकलअन॥ ॥ गकःशुवनदविगनगिधुकिधर्मस्खाननानापूयाधपःजीदा
 ववसेछादिदवाहमनालाएप्रद॥ ॥ वागासननिअधर्मदिनाथासथनकन
 अलेःथगुलिथानसदविगनयनिधुअःमदिकाकअनगानाविविगुखानककद

१२

वागवानयनाउवाजानधालगधिंनकिरोलधकदविगनयनिदअनियायधकअयां
 किमदअनिसलाधकधाल॥ ॥ गदधविउथदिविगनविगाकधुअकासगानि
 गदसिमवागासर्वसनदसिमसनपुद॥ ॥ धनवागाअसनअनिशखनंखका
 नाउवानवलसदविगनयनिसनंआकासवानिशयाअहमानवमनूअकिमिस्सन
 मालकायःसनयाहअनधयाअहयधनःथयाकअनाअयाअधकआकासनधयाह
 ले॥ ॥ वागाअकाकःगकूखवननमस्खानकत्वाप्रणागम॥ ॥ धगद

विगनयनिसनंमहादयकगुलिषड्वाडाथवाज्ञानंथगुमिरुवनसदविगनयनि
 रुनमस्त्वयानाडालिहायाडाज्ञापायाथसस्त्वकदृकयाकसवानडालं ॥ १ ॥
 कथस्त्वकदृकगलस्यनननमस्त्वानंकत्वासनस्त्वमाहय ॥ १० ॥ **॥ धनलि**
स्वकृमिमाकसदानकसवयाकनमस्त्वानंघानंथननागनहसनदंसवगअधकं
गज्ञानधालं ॥ ॥ एनवावकथंवाज्ञावावयामि ॥ **॥ सनधालंहमहावा**
आदृलपानपासवजिनंगधगयज्ञावाधकधालं ॥ ॥ **॥ वाज्ञावावददायमुनि**

२०

वनवाप्रयागधायोरुवकिणनहापितसनप्रमूर्वावाज्ञासहिर्गस्त्वमावाहयंकि
 नकडीनानगेवसमिपयाफ ॥ ॥ **॥ धनहनंवाज्ञानंमहादयकलःहसनआ**
डाकगुनकलकडयाधायानाडाधर्मदंडनंसवगअधकंनिर्कःसवगयागलिहा
डालं ॥ ॥ **॥ कगाश्रमाथप्रहकिथोवजनावाज्ञाप्रणागगाधुस्वाश्रमाथाप्रहकिथो**
मरुगानगवदसिमागलामहासर्वनमहगास्त्वाननयादवचनादृत्वावाज्ञकूनमा
लिगा ॥ ॥ **॥ धनंलिवाज्ञादभयासमिपसथनःप्रमानःप्रकायनिर्जनःवाज्ञालि**

हाउलधकसमावालसिवाअपुमानः॥यादिसक ल्यंदसनीपिहाअयाअवाअवस्व
 याअमहानसगायाअवामानमस्काचयानाअमहामान्ययानाअवाअगृहस्विका
 कर्त्त॥ ॥यथाकवाअगृहपादपुष्पाकाचनसमयःवाहापिमठसनपादपुष्पा
 ययन॥ ॥थननोअमहमेथनाअपादपुष्पाचनयायकेनवलसवाअनंआ
 हादयेकलहसनद्रापाद्यनहुतिमिअधकधयाअसनयाकहुतिमिनकलःथनलि
 नाकायाहुतिमिन॥ ॥आहकथंवाकाविशुभाहवनिवाकाहानलेचनः॥

२१

प्रथमसनपुष्पाचनयिलापथाद्राकापुष्पाभि॥ ॥थनंलिपुष्पापुमानपनिस्नंथि
 थिपुष्पाकमिजिसवाकाथूलिकउत्तमकलःवाकायास्नहीनशलवाकापासनयाक
 हुतिमिनकललियनसथअपादपुष्पाचनयाकगृहवात॥ ॥गदनंननवाअगृह
 प्रथियन्नसमगतादाययिनि॥यावंकुत्वाकविदिनानियलयामास॥ ॥थननायम
 हाअनयाककाअइःखयासकनाअसमूकदिनअनमवासस्रवनंथानं॥ ॥यथावशः
 दीनासमागा॥ ॥पुनवदिधर्मदनदिनरुयाअअल॥ ॥वाकावावश्रमाश्रमजिप

॥ निम्नस्वरूपः श्रीश्वस्रधानावतमानाध्यामिसर्वविषयमयंमर्हिंकर ॥ १८ ॥
 धनलिगजानेभ्राण्यादयकलंःहमक्तिप्रियरुतिनंमिदित्यकहिउाच्यामसनंथीउव
 सुधादेवियावतधर्मदनननाहमिसनेयीममयनंमाललामकिअधकधन ॥
 ॥ व्याकर्तुमक्तिरिसक ॥ १९ ॥ अथराज्ञानंभ्राण्यादयकारुविषयनाआमेहिंक्रियः
 निसनेसमस्तविधिमात्रलामकर ॥ ॥ अथराज्ञानंभ्राण्याउयाध्यायकर्तुमसनय
 रिउंनचूठाकर्तुमस्तुलाकावायवरुनामथीसनरुयउयाध्यायनामस्तुलायिनी ॥ ८० ॥

धनलिप्तनउयाध्याययमूर्धनंराज्ञानसनइककईयानधनलिवयइतंइयधूनकाअ
 कावायवस्तुनेकसागः॥यादिनंमियकाअथीसनगुफउयाध्यायःधकनामकईयाने॥
 ॥मथास्काययित्वामनगुफउयाध्यायनेवममावाधुना॥८१॥धनराज्ञास
 नगुफउयाध्यायकनामयानाअधनलिधमसनगुफउयाध्यायइयाअःथीवसेधमादवि
 वनधम्मदनकले॥॥रागापुष्टिमिश्रकानवसगात्यसहिमं॥इयवृत्तदविवन
 स्रुधालिका॥स्वहस्तवृत्तस्रुधुहिकावागायननपुष्टिक॥॥धनसूर्यादयवा

जाप्रहिति न संसृज्या मसने श्रीवसं वराद विद्यावृक्षधर्म दनध्वस्यो दया गजाया क ना
 मचूतद विनं वृक्षगुक्तानं ह्या नागगुलिबुर्लकाथ गवाहा मिनं वृक्षरूना अम्यालनं कृति
 नकवृक्षां ॥ नमृदुन निम्बद विधमि समागता न वधर्म भद्वत्वा मेथमिपु मि
 दिनेय कथालिखुक्तमंगः ॥ त्वा दया रुकि नागवा वपाफ ॥ ८३ ॥ थथ वृक्षको सु उका
 क्रुतिकलह गगुलिध्व मराजा या क रागः स्वयमययायि मिना अनिम्बवन सगया मनि
 वद विद्या नः रुमिनिनं क्रिथ क्रिथनं राग गृह्णन्ति नं दुह्या वृक्षा कागयि अथ धमिनि

२३

नं श्री ३ वृक्षगवा द विद्यावृक्षधर्म सद दनध्वस्यो दया गजाया क ना
 मदाका सादवक सचमिका हाययमि न दकावेन मस्का वं ह्वा निं ववन यया ग ना
 ॥ ८४ ॥ थथ वल सचूतद विनं क्रुतिक वहागु विवर्लका थ म निम्बद विद्या च
 मिनिबं या मसृरुग अवध्व चमिनी नं थ वृक्षका क्रुतिक वहागु विवृग काथमनं
 नमस्का वया ना अनिम्ब निम्बवन सविहा अने ॥ ॥ त्वविर् २ निम्बवन वि
 हायिर्ग गगुह् श्री ३ वसूध गव रुथ्रत्वा वावमि ह्मिगदा चूतद विवर्लकुर्

छिन्नायदिहं ममाहाफकिर्नगृहिखावागकाहं ग्यानादिगुविरुमिकृत्वावगमावाध
 यासि॥ ॥ **श्ववगनिर्नृणा** रसनीलिहाणयाडाः निष्कदवियाङ्गानधालः ह्यनि
 दविमिजिसवाङ्ग च गृहसः श्रीवसूधनादवियावगधर्मदवागवानकिर्नवाङ्गवा
 वसवानाङ्गनाङ्गवाना वलसवृत्तदविर्नवगकावगदूनाङ्गः ग्याननीकृत्तिकनहन
 जिकृत्वायुचूंथुगुलिनमस्तानयानाङ्गहयाहदविहमहागानिथ्वङ्गश्रीवसूधनाद
 वियाधर्मवगमिजिस्यनीगुविसनानप्रपिरुयानाङ्गथुगुलिधर्मवगदूनाङ्गपाधकवि

२४

नकियातं॥ ॥ **श्ववगनिः** निम्बवनप्रस्तावसूधनमानासिः स्त्रानादिकृत्वा नि
 वेः वगमानाधीनाकिथीति॥ ॥ **श्ववगनिः** निम्बवनप्रस्तावसूधनमानासिः स्त्रानादिकृत्वा नि
 हवगनिजिज्याधधकगुविसनानयानाङ्गश्रीवसूधनादवीयावगधर्मदनधकधया
 जनिम्बदविज्यावगनिजानिष्कसनेः श्रीवसूधनादवियाधर्मवगदूनाङ्गवानं॥ ॥ **श्व**
 गजान्कनश्रीवसूधनादविचिकिर्नदृष्टनूयनवाङ्गजनगद्यमिच्छकिसवाङ्गवाङ्गवानमा
 गनृकविचिकिवाङ्गानाहगान् ह्यमगद्य॥ ॥ **श्ववगनिः** श्रीवसूधनादवि

नीविन नायाकंगथधानसावृद्धकानक्रिधियागुनिः वृषज्याउ। नाकडावसवा नायक
 दविषारुहकिं सनगाडाधालः दानधालसाध्वयानपनिपाजयाधकहालपाडा
 श्रीचसखावादविनाकडावसविज्ञानाउवृषदविषाह्वाकिनिनीसुनगाडावान। ॥
 ग्राहमनावकिपृष्ठि किंमहात्म ॥ ॥ थरधसगमाउः धर्चनिगयाउः हवृद्धिजि
 थिष्टग्राहादयकाधाल ॥ ॥ वृक्षीवावयतिरमसववनः माहमागामहगगानाक
 डावमूपदधवृषदविज्ञागताः यदिनागमासिः वागायननदयि ॥ ॥ धननिष्टि

२३

क्रिथिनधालः हचकिद्धनेवानियाहुडानद्धनशक्रमाशुगयावाकडावसवा नाडावान
 धकधडाः लिमनासाः म्मानेरुतिकास्वमः लिवासानायलाडाधकधाउधकधाल ॥
 ॥ याकहीयकिवाकडाव गृहगोमहावृषदविविहापिगादविवृधनवमारुमाप
 महववनं कलारुवविवावधार्थनाकडावनिष्टकि ॥ ॥ धनवृद्धिक्रिथियाध
 दनाडाह्वाकिनिनेनाक गृहजनाडावृषदविषाहुडादह्वा नापयानः हदविमहावावि
 दलयालयामामयामामज्जक्रिमाकधकक्रिथिष्टस्यनं कलयालविवावयाम्मर्थन

25

[illegible]

र्थगच्छामिनिम्ववनेपाफ २४ पुनत्रवादधीवसंभावादविनेचिकनायामंजि
 नेचरुदविउधाययायधकडानेःथयायिनिनेमसिगःआगाजिनिम्ववनेसशनागः
 निम्वदविउधाययागठधकनिम्ववनेसविज्जागं प्रविम्ववनिआहूकानि
 रुपमिश्वचठनविचारनार्थमागगाहउयविचाप्रमागमासिविग्यायय २५
 थनविशीवसंभावादधीनिम्ववनेसशनागनिम्वदवियागसलगाजथवृद्धिरूप
 जिथिनंधालहचमिनिजिनीनिम्वदविविचारयायधकंशयाहुयानाशचानथ

२७

थनजिअयाशचाननिम्वदविकहागभगधकंधान॥२॥मिश्रुवाचमिगवादविविह्रायिक
 दविकवविचारनार्थवृद्धकहावमप्रतिहृति २३ थवृद्धिजिथियाखठनाशचरुनि
 धानगनाअदवियाहुअनःनाययागं हदविमहागानिहलयालविचालयायमर्थने
 अयाधकंवृद्धकायजिथिहममिजिसहावसचानाशचान॥निम्वदविवाचकिंचकवीवि
 चिंमृदहउयवमकत्वकिंमाकमाकायामिमहंरुडरुडयविम्वमावकथ २७ थ
 कचमनियाखठनाआनिम्वदविनेधाल॥हचरुनिभ्रमवृधजिथिनहृधायहविंमनाया

कडावधकं भूमयाकद्वुलिहृदयवकं थुगुलिधर्मदनाशानावयसगशमवाहमावध
कयूनवादनिस्वदविनेचकनिसाहृगहधालेः हवगनिहृगनाशानमवुद्विजिथिथनइकवा
नाशहकि चकनिगवावुद्वभागमामिउयविमनीउयविगलीवीविवायादिकत्वाकिह
किंवुरुमावाचविने २८ थथनिम्वदवियाभ्राह्महनाशचकनिनेहनवृधिविजिथिया २८
कवाले॥ हभ्रिमाशकिमिनिनेइहाविम्याहृधकंधाविम्याहृधकध्ववृधिविथनवाना
आयनंथिथिविचालयानं वृधोवाच॥ किंवुरुमावाचविने २८ थनलिहृ

विजिथिनेधरहृपकाइयनिसहृवुरुधरवयाशानाधकधवं दव्यावाच॥ वृध
० श्रीवसेधगावचविम्यामिमममलुहापभूर्ययाइनविमककदविप्रशनहृमं १००
थनविहृधियाहृगहनिम्वदविनेधवेहभ्रिमाशहृयायः श्रीउवसधगादवियावुरु
धर्मदनाशानाजिथथिनभ्रागपनिहृयाशानभूर्ययाइनायंसइकविवायाहृयनेभ्र
र्यपाकशानाशभूर्यवियाशानाधकविनमियां वृधोवाचसकमवसथेवृधि
निथयममलुधार्यवृधिरूपिकर्धार्थदिव्यरूयनमिथनि॥ भ्रह्मोयइयइनीयविवायहृ

सहिर्ननप्रकासितं १०१ धननिवृद्धिर्निधिनं धननिम्बदविनिम्बयने भ्रमव
 नधर्मदनालाभकं ह्नासचायमन धिर्जया अनिभयकयागधर्कथविश्रादयकाशः थ
 वृद्धिर्निधियाय यनायमागसाकाश्री ३ वसंधागदवीयाय धनत्रयागया मयक २ नीपनि
 यविवायसहिर्नयमागविज्यान नकादविमौरुगवतिट्टु नष्टायमानाहवायाः
 दामिप्रसारदिलोकगति १०२ धननिधननिम्बदविनेधरुगवतिथी ३ वसंधागद
 विषनागमहाभद्रुगभार्य्यायागदसासनेभयपाशनागभयविषागलकपुयाग

२८

वान श्रीद्व्यावाच ॥ हवत्सउमिष्ट २ नवदायिउड २ वनयधकिरवकाधकाह्यगभयम
 सिमूकिविषाकारव १०३ श्रीवसंधागदविनेभ्राह्मदयकप्रहमनधदग २ धर्ककयाव
 ज्ञानागधने ॥ थथयवसडाविडमदयमानानावलसतर्ह्यत्वादिवकुषपिवीहिः
 व्यादियवियवैर्ह्ययमावधर्कभानिर्कदविले नकाहवकनिम्बदविसर्वलमि
 प्राफवागृह्णुवैर्मयनयर्थदिकीकिनिज्ञालप्रतिमदिगयालिज्ञाकयथासर्व
 पुनथनधर्मवसयक्रिमीयर्हदिगतं ॥ निहविप्रसाहैकताहसमुपमनहयगी १०४

थनलिथमनिमदविने श्रीवसुधावादेवियाउसादेनीसमस्तलमिगः थनिम्वनसग
 थधालसासुवरेमयगहयामयधुमागनीकालथनागमयागुमहासाहायमानइया
 आचानः गादसिगथधालसासाप्रसखनाथंसमस्तलमिगनाअरुअधनेपसादयानाअ
 महाहर्षमानयानाअभानउयानाअसखनीचाने पुनर्वाइउकमयाधायतिप्रत्वानि ३०
 गृह्यमिममानवानांउदिउवाधिएकाइ न्नायसवि १०५ पुनर्वाइहनीश्रीवसुधावा
 देविनेआहादयकरहमनूषधुगुलिधर्मसहकठनामाअनेगववल्सइः गवडाविउ

शयुगमधूनरकगतिअनमूवाअधकेनिम्वदविगाहुअनश्रीवसुधावादेविनेआहा
 दयकली कदाचिदनअविदिनानिउयानिप्राप्तीवकिनसंभयनविहथयनिदवः
 कावाधिनारुवअपुलरुगपुईमहाअधनधान्यकमहाधनेमहासागसेयूर्यपविवा
 रक १०३ थनचिगायानायायंमरुगुविसेयारियायिअसंकमूवाअहवनमशुगुथ
 मुदर्वसेयारिभुनानेवयथायययिअमपुइवनेमलेधनेरुयिअमपुपूर्वाइगवअया
 याधिनेकयाअचानसांवाधिनासहयिअहनीगवअस्यापुउमदयाअचानसापुउग

रुद्रीगहनं नमो ह्यागवासा भजयन्निपुणैः शयिगहनसकसकालाधिपकैः ॥
 नमो गणपतये नमो ह्यागवासा भजयन्निपुणैः शयिगहनसकसकालाधिपकैः ॥
 नाकनकविधिति ॥ १०० ॥ ॥ धनलिखितुर्दहनदिनम्बलसखाल ॥
 साकाउवहकृतिरुवापुनुरुताः ॥ १०१ ॥ ॥ संकशम्बमानवपनिसर्गधुलिधर्मवु
 रुद्रीनिगध्यादलकगधनरुललायुगधर्क ॥ १०२ ॥ ॥ धनलिखितुर्दहनदिनम्बलसखाल ॥
 धनजीवसुखादाविनीनिम्बदविषाहृगहधमधमनथीमधनैः आहृदयका

39

आभक्तध्यानशयागविष्णवे निम्बदविस्वरुसयनिवयानिर्धितिनीम्बदविव
 मनानाधुस्वरुगयुक्कनिनानासुगंधवाविकद्यालिङ्गाकथित ॥ १०३ ॥ निम्बद
 विनीसमरुवन्निगानागमहाक्षरायमानशयागधानधनिम्बवनसगधिनशयागधा
 नधालसायुषुलिसनानासुगंधनस्वाकलेषयविपुर्दृश्यागधानं ॥ १०४ ॥ ॥ धनलिखितुर्दहनदिनम्बलसखाल ॥
 रुगुरुधुर्गदयगजावर्धधर्मविचालनाथसर्वज्ञनाधायकिचूतदवावुधधनधाम
 यकि ॥ १०५ ॥ ॥ धनलिखितुर्दहनदिनम्बलसखाल ॥ १०६ ॥ ॥ धनलिखितुर्दहनदिनम्बलसखाल ॥

वलसविजालयानमिजिम ॥ करयावर्तमुद्रकाइवचरदवियावर्तमुद्रमहाकधक
 ॥ दव्यवाच ॥ किं वरुमुद्रपयाजनममयाजवक्रिसीगाव १११ **थनचरदवियाहुगहवा**
 ज्ञानीआहादयकलेः रुचरदविजियनिसकरयावर्तमुद्रकाइहनगथमदनधकराज्ञानी
 ठनथनजिनराजलान्ननंगकधकधाली नगागणादविप्रवाधितनसिकननाः
 विजिननित्वदविनाकानयामि ११२ **थनलिथराज्ञानचरदविवाधयायमरुपा**
 अराज्ञानीचिकनायानभाजानित्वदविधानकरहायधकं **इदिसत्वाचननिंवव**

३२

नप्रवयैरिममवचननयिहागहुमहाकनश्रीवसंधावर्तमाधयामि ११३ **थन**
लिवाज्ञानआगणादयकलेः रुचरनिहुजनाजानित्वदविथनजिनवानकरहरधकध
आधकधमालिः थनचरनिहगा २ सनैनिम्ववनसमनाजानित्वदवियाहुगहचरनि
नंः नापयानेहदविमहाशालिहुलपालमहावाज्ञानीवानकरहरहुलपालराजगृ
हमविज्ञाइनधकेहुलपालमहिननश्रीवसंधारादवियावर्तधर्मदनाविज्ञाइनध
के **॥ आहुहुदव्यवाच ॥ नउरवनश्रीवसंधारावुधर्मपूरुवविदविप्रसादाम**

हावमिसेंप्राफदसराज्ञाकलगमनअपिप्रथाजनकिंरवतिनगहामि ११४ धुगच
 ननियामननाशनिम्वदविनेधपंरुचननिधनदिनेथीउवसेधरादवियावर्कधर्मदन
 धूनकाशथीवसेधरादवियाप्रसादनमहावमिसेपूर्यैरंरायधूनस्वअश्वकभ्रमरा
 ककलसजिगयायापुथाजनमइवकधार्च चकीनोहवचनशुलाप्रयागनराहा
 सर्वविगतनिधयराज्ञाभय्यायमानाहत्वाभृद्दृकाकागदसेन्यसकजागाराहासना
 गन ११५ धननिम्वदवियाभाहाडनागधचकिनिनेराजगृहसविहाजनाजनाज

33

निम्वदवियावर्कधर्मदनगुलियवृतागनायातकनेधनराज्ञानेधननियामनना
 अराज्ञाभृद्वायाअधकषटनाशराज्ञायामनसस्वरअठगुःःज्ञाशयाअस्वलविज्या
 न निम्ववनंप्राफनानाविचिइपुष्यपस्थलिनेयकननिशुगंस्ववासनापविपूर्य
 नानापडिनिक्जिगाराज्ञामगिरुधुवर्कयमयाकिकिनिशालमदिकसस्वलिके॥
 ११३ धनराज्ञानिम्ववनमधनकाशधगुनिनिम्ववनगथचानधलसानानावि
 चितभ्रन्गतिनश्चानहायाअचानयपुनिसनानानस्याकयेस्वनेयविपूर्यश्या

अनानासंगलहंसयुक्ककिरमयूरचक्राः ॥ द्यादिनीभूमिहर्षमानयानाअचानध्ववन
 सगङ्गगृहस्यानीलेनभूवभूमययूयमयनेकिंकिनिज्ञावपनाअस्वरुयमानशयाअ
 स्वस्वैस्वयमगनाअहिनाअचान नगावाहावकूनमकककैथंमहावशिष्टाफ ११०
 थनानेराजाभूहृन्वायाअभारंभूहाभ्राचार्यध्वनिस्वदविनैथगुलिमहावशिष्टगुथ
 गङ्गवकैधारे नरुनानिस्वदविकाचननिस्वदव्यादिगाविचारनाथेगङ्गदविमूषि
 नैमाज्ञासूयवनदसयङ्गवशिष्टवति ११८ थनराजानेभूहृन्वाचार्यवायाअभाः

38

नैथथवानवरसध्वनिस्वदवियाचननिनैस्वनागध्वचननिनीनिस्वदवियाहुशठ
 प्रार्थनायाङ्गदविमहागानिमिद्रिसमहागानैहृलयालविचालयायधकैभूथ
 नैमूस्हुनक्रिलागध्वनिस्ववनसस्वयाअविज्ञाहे ॥ ११९ ॥ स्वयाशहृलयालयायदि
 संपूर्णहृयधकधारे ययनिस्ववाज्ञामनधियगगाविस्ववनदवियाहुसहिकह
 लाविचिंरुदविकिराशिष्टाफ ११९ थनलिसूर्यादयगानैनिस्वदवियाहुसड
 लाविज्ञानागानिस्वदविविचारयाहेरुनिस्वदविहृनयचिनविहृनैविकमहावशिः

गथशाना कक्षाद्विसर्ववृत्ताककथिर्गयाकामहासूयनमिष्टिकविदिनानिप्रवया
 मास १२० धनलिनिम्बदविर्नसर्ववृत्ताककथायाकक्षीध्वकगजानैठनाअध्वग
 ज्ञाशानिम्बदविशुषनंदिनअनमवाप्तुक्रयानाअचाने साहसजानिम्बवनः
 नानथाकगजाकलचूकदविकायाकुविहृदयनकथंकरुणीनियक्लममगलाशजावि
 रुसयित्वामानयामिचूकदवित्वविर्गभनेन्ववनंगत १२१ धनलिशङ्कगृहसचा
 नचचूकदविर्नंधायेध्वगजानिम्बवननंलिहामगलधर्कचूकदविभूतिरुमवायाअध्व

३५

वे॥ध्वगजागथयानाअहयकिःशधर्कनिम्बवनसजानाअध्वपनिनिर्गगयाकअ
 धधर्कचिंरनायाकध्वचूकदविहृतासनेनिन्ववनसजाने कसंषाफनिम्बवन
 बुर्हगजधूलिप्रष्टियथानलायिमाकनमहापाककनरुक्रनाचूकदविकायमधिरुव
 मिमहाघाययपापस्त १२२ धनलिध्वचूकदविहृतासनेनिन्ववनसथनकल
 जनेःधननिम्बवदवियावर्हदनधूनकाअस्वानः॥यादिर्नअनाकयागूलिचूकदवि
 नेस्वानहावीगायाअअनध्वस्वागमनाअनायापनेनरुकायनचूकदविभूपायदा ॥

खालरुले सर्वज्ञनाकारमयविनाकलाहलसर्वसत्वायलाः नाकिचिद्विगल
 कर्मरुमिषाफ १२३ थनलिचुनदविहाराखरुअयनागसर्वलाकनेयनथथरुय
 अयनागचुनदविहारापवायाअहानाअकर्मरुमियाइरसथनकविमजाने
 ननुपूछरुमिद्वयदृष्ट्यापियानियादुगनपूछरुनिद्वयद्विगुहदृष्ट्याज्ञनेपिवयियूक
 विन्यासीरुधिरुःयैरुअगहसि १२४ थनचुनदविनेथमनीराययवैःहायथजिग
 थिनयापिष्टभरुगिनिहसमत्ररुलेधकेदुयानापायनीथलिइः रयरुलभाशजिनेथ

३३

नगनगनधकेजिगथरुलेधकेआचार्यवायाअज्ञानवलस श्रीवसुधागदवियागनिडा
 यानागुमनाअभाशजिनेथीउवसुधागदवीदर्शनयागगठधकेइहाशनथथइहागठ
 पुनूययविनिगुविषनाल्लानाचानथकलसचुनदविनीलेखनानमहालाज्ञानवलसथ
 यूलिनेकालीरुचुनदविहगनगठरुनाधकेधारे चरुदविमीमभुलुगिनीथी
 वसुधागदविदर्शनायगहामि यल्लवन्पावाच॥ आवयावचनदविमाहोयिकक
 नमहायागकनभावीदिष्टान १२५ थनचुनदविनीधालीदिथधिनभूगि

निरुयायानिमितिनेथीउवसैधागादविषादमनयागडावकैधायथमयठठाशयूष
 विनेधारेहचमदविनिमिगुयदुगुविश्रीवसुधागादविषादुडाठःनाययायमावदु
 यायायनेजियनिथधविग्रहकयाआठमावधकैधमगठनाडावमदविधननेड
 हाअनी मडलेघयित्वायनत्रपिगकमकगादकनकनमहापाककननिष्ठावःति
 दविविहायिता १२३ धनलिइहाअनाअगकशुक्रयनाडागदशुक्रनेधालेहचम
 दविदुगनडाठकनाधकठनेचमदविनेथीवसुधागादविदर्शनयायगडाठकनाधक

३७

धालेधनगदशुक्रनेधालेजियनिदुयायायनेगदशुक्रयाआवानमावधकैथीवसै
 धागादविषादुःनाययानाडाविशधकैधाले मडलेघयित्वा १२३ धननेड
 हाअनी पुनत्रपिसूचीमूषदुहाचसुविमूखचकनमहापाककनभूनेविष्ठावमिति
 तयादविविहायया॥मडलेघयित्वा॥ १२८ धनलिधसुविमूषनेप्रममूषनेचम
 दविदुगनडाठकनाधकठनेधनचमदविनेधारेजिनेथीवसुधागादविदर्शनयागडाठ
 धकधायगःधपनिमनेधारेहचमदविदुयायायनेजियथचाठमावधकैथीवसैधः

गदवियाकः नाययाशधकैवखलानाशहार्थित्वठनाशचूरदविथननेइहाअ
 ने यश्चममहायाककिनाइनामउववकयैकनमहायाकनपदिश्चयोरिष्ट
 मिमिमायविहाययैकइलेययिता १२९ थथअशैपुनर्वाइरुनेइहायाककियनि
 वनेश्चइमयाककिनेधालैःरुचूरदविहगनशठकनावकैचूरदवियाकधालैकिश
 वसंधागदवियादर्शनयाकगठधकैधयागइमयाककिनेधालैकिनेवृषहगुलिहाना
 शहायधकधालैइधारसाइयायापनेकिपनेकिथेथथचठमालथखहनेथीव

३८

सधगदवियाकः नाययायमारधकैश्चठनाशचूरदविथमनेइहाअने क
 चूरदसर्पदयुनइसननअसिनाथनकसुसयदइहाइसनमाअनेचूरदविकाव
 मूषयुक्ताइस्वयुपीरुवमि॥सर्वयापमूक १३० थननेइहाअसविःचूरदविने
 इहसयषठाशचूरदविहार्थेइहसुसयनेचूरदविवनइहसुसयनेचूरदवियाः
 ग्वालसठरथथठायअचूरदवियाकयमयकमिनेअनःकायायागुलिरूपरुवश्च
 अचूरदवियासमरुवापरुने नयपनययिविअपरकैइहावृहइगार्थविअ

पूरंकेगृह्णामिद्वनददामिहस्तनगहामिःपुनरुक्तावाचनकामिश्चकव्यः॥५॥
 माधनसूत्रवृद्धनहस्तपुनयविद्यययित्वा १३१ **थननेइहागनाअस्वसविमिमा**
 वनथाक्रिमिमाहमाधनाअक्रिमिवायागनयधकअनेक्रिमिवाववससिमिमान
 धावैहचूगदावेहृनजिधियमगधकधयागसिमिमानैक्रिमिहृग्वलचूगदविद्यालाहा
 निसकृदिनकाअविली॥थगुलिक्रिमिरुक्तायानाअथननेइहागन **गहाप्रसादका**
 सगंगल्लानार्थदविज्ञानार्थसूत्रहृद्यनपानियैगृह्णित्वाउर्दगमदविगनसूत्र

३८

नदविनीदिलाकयापिहृमिस्त्रिहृस्वर्हृयगहृमिसर्वासययवकव्यनगाना
 मिथीवसूत्रायादविज्ञानार्थः॥५॥उर्दकनदिवहमित्यर्वहमिगकउउकनयद्वयपु
 जानिकमाधनउर्दहृववमिथीवमिमाधनसर्वपापकयाहृवक्रिपूर्वकमसर्वपापक
 याहृवमि॥ १३२ **थनलिअपसगगनपनिसनैथीउवसूत्रायादविद्यासनानया**
 नकयागभ्रर्थनैथुवर्हृयाघयगानाअलेहृपनिगनगहृननाधकचूगदविनीहनेथ
 नअपसनायनिसनैधवैहमिसाअनहृनहृसियुगाथगुलिथीवसूत्रायादविद्या

सनानयाककयाकमर्थनीकियनिसननंथोवेखकावअयाधकंथलेखयनाशसनानयाक
 कथसनानयायधनःसुसिअडाथंलखगः॥अथलेखकयाअमिवापियाअनिमि
 हिनेसदृष्टिरुपिअधकं॥ककपत्रिउमाइनअथीवसेधागादविसनानंदका
 साचरुदविस्वविर्गगलाथीवसेधागादविवाहकवेदनादिकंकला॥अथपाठयं
 कियुर्वमृकुरुगिउकिष्टममाहायय॥ १३३ **अथअयसागनयानिभ्राहा**
 णनाअचरुदविथगथथमनेथीवसेधगादविभ्रादिनेदिविगनसकलीदृष्टाय

२०

नाअथचरुदविहगासनैगनाअथीवसेधगादविभ्रादिनेदिविगनयनिसकली
 नस्काखयानाअःखोयाअधालेहृदविहः॥स्वविज्ञायायागुलिखसमसुसियधः
 नःदुलयात्तयादर्शनयाककिभ्रनाविहयाअमसियाभ्रागवूनकिगथगुविधर्मद
 नकमायधकेधाय॥ अथदविवाच॥रुगिउरुदिममाहाययः॥दृष्टयागनया
 गुरुवाजापुगुनिसर्वज्ञनावरुमायाकुरुनसमाक्रमार्गकुरुस्वर्गययायनेकवा
 मि १३४ **अथअयसागनयानिभ्राहा**सदयकवेःहृदगिहगाधकेकपाव

समानाशधनाभाहादयकलेहवगदविभाशदुहलिहागनागशुर्वाद्यवाशापुह
 तिनेहपानिसकसनेनायागथवहृदनाथंधर्मयागधपनिथसजिथनकरा
 याशदुपनिरुस्वर्गभाऊयदवउरानविउडायधकेभाहादयकले ॥ ५५ ॥
 कर्णयूनरपिचरदविमाहापिनादविमार्गस्मितालाकाहसिहमलिप्रथनर
 पूरुकरनिदयैहसदितकनमहापातकनभउवपूरुकरनिहधनिघातकरनिः
 ति॥ ५३५ चरदविनेनापयानहस्वाभरसचानपनियपिपनिसनीकः

खजानागहलकापापूषलिनिगुविहयाशचानथपूषमिनधारीदूयापापनीगुः
 गुयापायनेदियनियपुविशपाशखानागचाहमावथथविशहहयाशचानमावध
 केहलयालयाकविननियानाहवह।दविदूयानिमित्तिनेथविशहहस्वधक॥
 ॥ श्रीदयवाच॥ पूर्वजन्मसखाहृदिगिभानयापिगऊनायशदवृकरी
 गवलाःरुगिहोपादन्निपूढदिकनमहापातकनयूरुकरनिविग।धरवतिनव
 कथिममाइनमूरुहृवति॥ ५३६ थनलिशीवसखागदवीनभाहादयक

॥ १३७ ॥ हनपूजार्चनचक्रद्विनेः नायपाकहृदविः स्वविहनगदुक्कयनिमन
धायगाह्यगुणगथगह्यकुर्यातावनमात्रवकीः नायपाक ॥ श्रीवल्लीभाषा

वाच ॥ पूर्वरात्रिकादिहवमियमविस्वामहाविष्णुसर्वज्ञनाथाहं ब्रह्मा किंचिद्दत्तं
यं हि त्वहं नियमि कन माहायानकनमिष्टमिष्टं दर्शननमस्किं रुवमि १३८ थ
नलिह न के ४ श्रीवर्षादादविनी आश्वादय कर्षः रुचरुहविष के आमय निमने पा
यया क गृहिष्यति न कनन अथ के ग थ धा व सा यर्वज्ञमसया पिष्टरुडा विज्ञया अ
जाना अक्रम निज्ञया अः रुति २ रुक विज्ञा अहा यि अ थ अ अ म रु क य ना अ विस्वाम
रुटका अ थ न न न य ग ह थाना या य न थ निग क थ रुज्ञया अ भू म थ चा ह मा यः रु

वददविहनेस्वययुनेभ्रमायानिसमृद्धिः शयिअथकाधकैन्नाहाविले १३२ च
 नदविनेयनययिविहायिकस्त्रिमस्यदृष्टनेवकथिककनमाहायाककनयवृत्तं
 सविमूषपापिनेजिस्वनाअस्वकानाअहयगुगुयायायनंगथयुविमूष
 शयाअचीनमात्रधकीः नाययानं १३० श्रीद्वयवाच॥पर्वतन्मवाप्रमृष्टव
 तिकनद्विद्वचनेष्टनैभ्रनाविधर्मनिडाव्याद्यानहृगन्मृदानकिंपयाऊनेव
 कव्यगनमहायाककनसविमूषारवति॥नवकथिकमाऊनकेकिहवति॥ ॥

श्रीवसुधागदविनेआहादयकनेगाथभात्रसाभामसविमूयपूर्वजन्मसखाभन
 जामथकाथयामहाछुडवचनज्ञानधर्मसचकनामइहाम्विकनेमनसाहेमवः
 यादानयामसीभामदानयानायाययाजनइइधायिडाथरुयायायनेथकाउवि
 मूयइयागवानथथवकेकनइनेभमयाप्रापमोहेइववके १४१ चतद्विपू
 नरेपिबिह्मयिकदविहसाइसययापिनेदृष्टासनस्थिताःकनमहाप्राकनइवि
 नातिह्यव पुनर्वाचनदविनेधर्महदविःत्वनिहनेद्वामकमययापियः

निमनं शिवनाशार्थं नैव यद्वा नाशं ह्यदृष्ट्या पापने गुणु या पापने शिथ्य इषी पापि
 दृष्ट्या नाशानमात्रं धर्मे दम्भ कृतं पापिनी ॥ नाय या नाहं धर्मे विनमि या ॥ १० ॥
 नदाद्व्या दम्भ कृतं साकवशी सिद्धि १४२ धननिदम्भ कृतं पापिनी भक्त
 मया कण्ठविस्तारं धीवत्तं धातु विने भ्रातृदयकले नयथां जगिन
 याता न्याय १ भद्रदा नाश गता गद्वि २ कामयिथा चात्र प्रियं लय्या स पूरा
 दिनास ३ मृषा वा सादिवचनं स्वविह ४ पिमना मिह रुद्रक वरुहि रुले ५ पा ६

४४

घाववना ४ हाना लोक इति हनै ५ भ्रमही न्नयना या दानी इयं वा हिनवचनी
 य १ भ्रमिहा ३ व्यापाद इग्नानमूर्ध्व ४ व्यापाद हिवद्विषमादि २ मृत्वादिष्टि
 ३ हिनरुल यज्ञाय १ ॥ १० ॥ नापापिन ३ पूर्वज्ञान रुत विषाका यद्दलेना मू
 क्रिहवति १४२ गथधाम सादसा कृतं लयावध ध्यानधर्मे हेचनदावि
 धकी भवस्यानायाथ शत आयु म इमव नमसि यकी दानकायाने दविड हयुगम
 वया शिलिलायनी ज्ञापीन थशम नना कायनी कला ननी ३ मयि शरु सखला

नाशयापायने इति श्रियोगः नृगत्रमहिनिशमिवयाकहाखलानायापायने डिमिउ
 वेधुशकत्रहश्रियोगः मून्वात्रकमवयाकवावचननयाने कानामुशवायिशकाकम
 हायानेऽन्म २ सहाग्यमदयिडा मषगव्यापायानानेऽन्म ३ श्रियोगः मषगव्यापा
 ययाकमिसमाने इति श्रियोगः खनाने मखनाधके धापापायने हिनकुलसक
 नरुयिगथगुलिमिमापायपर्वजन्मसयानाशत्रुगुयापायने भूमयनिदसा
 श्रमवश्याशानेमावथधधके हुनेकठगजमयनिसेयायमकिश्रियोगधकेआ

४५

लदयकली ॥ ॥ सर्वसत्ताशिवसंखयादिप्रदकिनाकुरयासोतिरसाहिवदि
 लाचरदविप्रयागता ॥ १४४ ॥ श्रवशिवसंखयादिविनेभ्राह्मदयकगुरुस
 मर्कचुनदविनेठनाशशिवसंखयादिविआहायाइकासनमस्काययानाशच
 नदविथगकुरिहाशने भागसिन्हादविआहापिनेऽन्म १ सविमूपाद
 यापायिनकथिलाभागासर्वपापिन ३ मर्किं कुराखदमनागतायगत्र
 सतिचैसमागता १४५ ॥ श्रवचुनदविनिहाशयाशत्रसजानयापिय

हाः पादकमलसिखसानमस्कारेकवाक्यमलविचारदिकृत्वादिकृत्ता ॥ १४२ ॥
 थथगङ्गगृहसथनकाशगङ्गायापाइकासनमस्कारयानाशकमलसुशमपुलाव
 केचिथिविचारसीवालयाते ॥ ॥ गङ्गावाच ॥ कथंवितागङ्गाककर्मगत ॥ १५० ॥
 गङ्गा नैशाहादयकलीरुचरुदविद्वगथरुधकेगनशनाधकेशाहादयकली
 चरुदविनेसर्वविल्लाककनेथीवसुधयादवियाप्रसादगगाहिनान्यप्रसाध
 नि ॥ १५१ ॥ थरुठनागचरुदविनेसर्वविल्लाककवकनाडाहमहागङ्गातीवसुध

४७

गदवियाप्रसादनैथकाजिशयाधकेगङ्गायाकधवे ॥ ॥ न्याकर्मगङ्गाभा
 व्यायमानाहत्वाउल्लासिकमहप्रकटिययतिचमद्व्यासुधनप्रयामास ॥ १५२
 थरुचरुदविवावचनठनागगङ्गाभरुदवायागङ्गाथरुचवायागङ्गागङ्गाहानचा
 नाशगुविदिनगनमचासचान कनचरुददिनसप्रागगाचरुदविगङ्गाविहपि
 नपुष्पधयप्रज्ञानचापकवनिहृदकेसर्वहिप्रवप्रमावाधयामि ॥ १५३ थन
 लिआवसुधयागदवियावप्रवमदमदिनहयागवानवलसचरुदविनेऽनायया

६ ना चानाशवत्समीव सखीवत्समीव मथ मथ मने साक्षात्परमस्वरतः। यत्किं रुपाति
 श्यामं धूतं लिखुं हनाथासंथनकन विद्यानगरं श्री ३ व सखीवत्समीव विनं भासाद
 यकरी हनाजाह मानवदुमिसने दुःखानाधकदुमिसने नानागुविजिने दुमिस
 वियरुनंध धीव सखीवत्समीव विनं भासाद यकरी ॥ ॥ ननागजाहिसर्गस्थी ८२
 वसुधा नादृष्टा गजा उरु रूच्य हृदया हृदय उरु हृदया श्वीव सखीवत्समीव याया सोमिव
 मानार्थादिकं दत्ता उरु च द विप्रसना ह्यप्रसन्नक गामि १५७ **थनलिगजा**

७ न्यादिने सकरसने ७ नाययाने ॥ श्रीवत्समीव विथन घनाशनाया मनसहर्व
 मानयानाश हर्षनयानाश भान उरुयाश सकरसने श्रीवत्समीव विद्याया उकास
 अर्चयानाशनसस्कारयानाश यिनाययाने ॥ ८ ७ स्वविहृद विहृलयावसनं ग
 थवृहद विद्यान उधाययाना हृगठ भासाद यकाश हया थभ थजिमिसने याना
 वं कसुपादयनाजाने ७ नाययाने ॥ ॥ वउरी पूर्ण ह वागजा प्रहमि सर्वज्ञाना व
 त्रविमानस्त्रि साधुपि न हवननियत ॥ १५८ **थनवृहद्वर्षसकरं संपूर्ण**

सविशुद्धोदयराजाप्रहृतिनीधर्मदकासकलीरत्नपागुविनानसकयागशुविनरुव
नसधनयनधमश्रीवसेधारादविद्यावुर्हदनानेसैसावसत्रयद्यावयप्रानिसकली
उधररुन॥ ॥ अथासपुत्रमकयावराजाथाधयित्वाधर्मदशनाथीवनशोर
ननसर्वमकमधुतपुकासयगाशुवनानेहत्वादिहृति॥ ५५२ ॥ धनलिशुद्धोदय
राजायाकायराजपुत्रदृष्ट्यागवानधराजपुत्रराजासागशोवराजावकेनामाक
रुयाकेधवुर्हधर्मयावहकयातभूर्यनेधमश्रीवराजानेमकमधुतसहिनकी

५०

धश्रीउवतुधाराविद्यावुर्हधर्मपकासयनाशसत्त्वमेमहाभानधुनेयानागवि
म्याकलेशलो॥ ५५० ॥ अकिश्रीउवतुधारावुर्हसैपुत्रभराकायनेदिहृति
वदनयविहमाकश ० ॥ अस्वमहदृष्टिगण्डवगभवसायाहलधुर्ह
नहदृष्ट्याधशोकायागवानकायकदयकाशतःनारुयायमइहलधुर्ह ० ॥
श्रीवसेधारादेविद्यावुर्हदनेमानेहेसिपावुहयाहृतिगुहिनयकवि
यागशोहेमनसामकावसेकपाफिजयीतुस्यधैवीनेदयसैनादय
ममसुयउमनानादलोनायमननय



Handwritten text on a label, likely a library or archival mark. The text is written in black ink on a rectangular background. The top line contains the word "BIBLIOTHEQUE" in a stylized font. Below it, the number "423" is written in a large, bold, black font. The bottom line contains the word "MUSEUM" in a stylized font.